

**M.A. IN GENDER AND DEVELOPMENT
STUDIES (MAGD)**

Term-End Examination

June, 2017

00083

**MGS-005 : RESEARCH METHODOLOGIES IN
GENDER AND DEVELOPMENT STUDIES**

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

Note : Answer any five of the following questions. All questions carry equal marks.

1. Discuss the importance of feminist research methods. Explain its relationship with methods of social sciences generally. 20
2. Write an essay on research design from a gender perspective. 20
3. Explain the Gender analysis matrix in research methods. 20
4. Define Information and Communication Technologies (ICT). Explain its role in research in gender and development. 20
5. What is positivism ? Discuss feminist critiques of positivism. 20
6. Write an essay on research projects from the Gender and Development perspective. 20

7. Discuss the feminist discourse in India and its significance for gender and development studies. 20
8. Write short notes on any four of the following : 4x5=20
- (a) Qualitative Data
 - (b) Random Sampling
 - (c) Report Writing
 - (d) Data Collection
 - (e) Case Study
-

एम.ए. जेंडर एवं विकास अध्ययन (एम.ए.जी.डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.जी.एस.-005 : जेंडर एवं विकास अध्ययन हेतु शोध
कार्यपद्धति

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों
के अंक समान हैं।

1. नारीवादी शोध विधियों के महत्त्व की चर्चा कीजिए। सामान्यतौर पर सामाजिक विज्ञान की विधियों से इसके संबंध का वर्णन कीजिए। 20
2. जेंडर परिप्रेक्ष्य में शोध रूपरेखा निर्माण-शीर्षक पर निबंध लिखिए। 20
3. शोध विधियों में जेंडर विश्लेषण आव्यूह का वर्णन कीजिए। 20
4. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियाँ (आई.सी.टी) को परिभाषित कीजिए। जेंडर एवं विकास में शोध में इसकी भूमिका का वर्णन कीजिए। 20
5. प्रत्यक्षवाद क्या है? प्रत्यक्षवाद की नारीवादी समीक्षा की चर्चा कीजिए। 20
6. जेंडर एवं विकास परिप्रेक्ष्य में शोध परियोजनाओं-शीर्षक पर निबंध लिखिए। 20

7. भारत में नारीवादी परिचर्चा (discourse) और जेंडर एवं विकास 20
अध्ययनों में इसके महत्त्व की चर्चा कीजिए।

8. संक्षेप में किन्हीं चार पर नोट लिखिए : 4x5=20

- (a) गुणात्मक आँकड़ें
 - (b) यादृच्छिक प्रतिचयन
 - (c) रिपोर्ट लेखन
 - (d) आँकड़ा संग्रहण
 - (e) केस अध्ययन
-